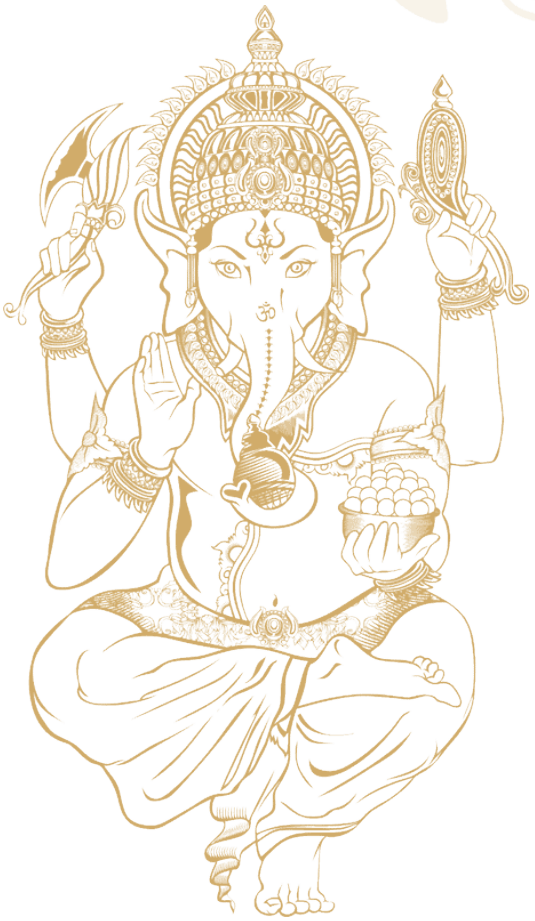

Mr.

07 Feb 2026

11:30 AM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121191907

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/02/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	10:58:50 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:08:04 घंटे
वेलान्तर	-00:14:07 घंटे
साम्पातिक काल	20:17:34 घंटे
सूर्योदय	07:06:27 घंटे
सूर्यास्त	18:06:01 घंटे
दिनमान	10:59:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	24:14:15 मकर
लग्न के अंश	21:59:03 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शूल
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:59:03	435:23:44	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मक	24:14:15	01:00:47	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	29:02:50	12:17:19	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	17:24:09	00:47:05	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	उच्च राशि
बुध			कुंभ	06:18:11	01:45:09	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:28:58	00:05:51	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	01:47:32	01:15:12	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	05:03:05	00:06:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	14:52:56	00:01:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:52:56	00:01:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:14:26	00:00:10	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:05:46	00:01:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:40:12	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	07:54:32	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

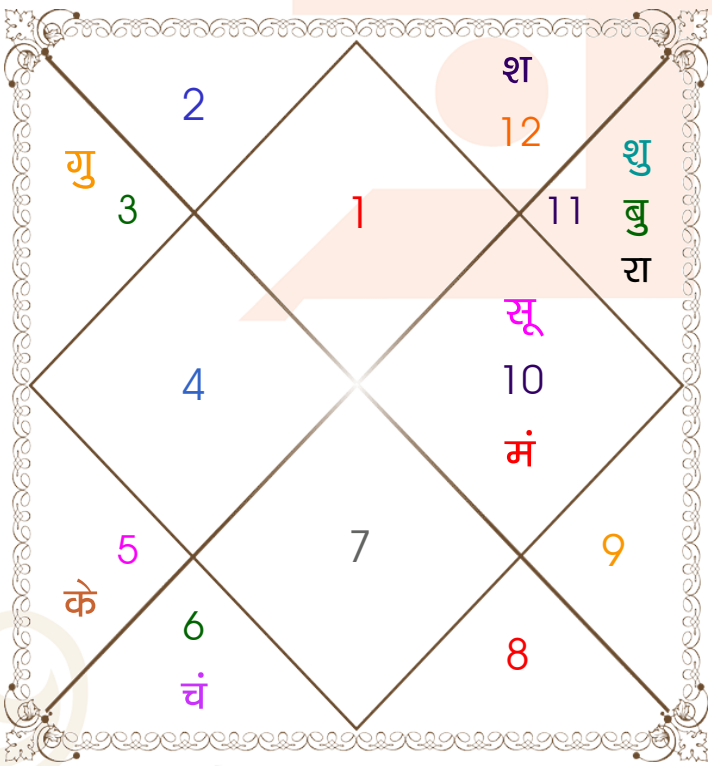

चन्द्र कुंडली

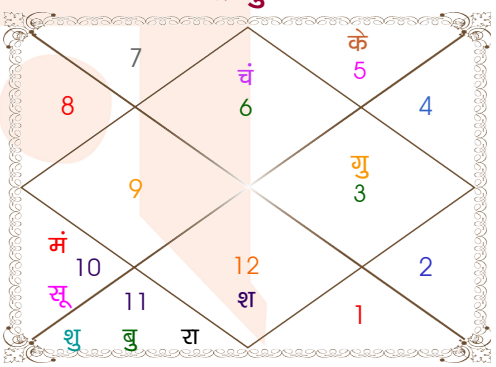

नवमांश कुंडली

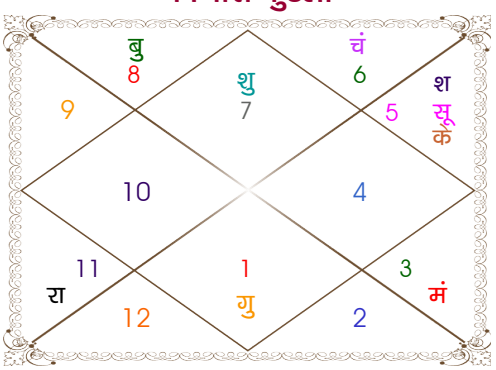

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 0 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/02/2026		07/02/2030		08/02/2048		08/02/2064		07/02/2083	
07/02/2030		08/02/2048		08/02/2064		07/02/2083		08/02/2100	
	00/00/0000	राहु	20/10/2032	गुरु	28/03/2050	शनि	10/02/2067	बुध	06/07/2085
	00/00/0000	गुरु	16/03/2035	शनि	08/10/2052	बुध	20/10/2069	केतु	03/07/2086
	07/02/2026	शनि	20/01/2038	बुध	14/01/2055	केतु	29/11/2070	शुक्र	03/05/2089
शनि	09/08/2026	बुध	08/08/2040	केतु	21/12/2055	शुक्र	29/01/2074	सूर्य	09/03/2090
बुध	06/08/2027	केतु	27/08/2041	शुक्र	21/08/2058	सूर्य	11/01/2075	चंद्र	09/08/2091
केतु	02/01/2028	शुक्र	26/08/2044	सूर्य	09/06/2059	चंद्र	11/08/2076	मंगल	05/08/2092
शुक्र	03/03/2029	सूर्य	21/07/2045	चंद्र	08/10/2060	मंगल	20/09/2077	राहु	23/02/2095
सूर्य	09/07/2029	चंद्र	20/01/2047	मंगल	14/09/2061	राहु	27/07/2080	गुरु	30/05/2097
चंद्र	07/02/2030	मंगल	08/02/2048	राहु	08/02/2064	गुरु	07/02/2083	शनि	08/02/2100

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/02/2100		08/02/2107		08/02/2127		08/02/2133		08/02/2143	
08/02/2107		08/02/2127		08/02/2133		08/02/2143		00/00/0000	
केतु	07/07/2100	शुक्र	10/06/2110	सूर्य	29/05/2127	चंद्र	09/12/2133	मंगल	07/07/2143
शुक्र	06/09/2101	सूर्य	10/06/2111	चंद्र	27/11/2127	मंगल	10/07/2134	राहु	25/07/2144
सूर्य	12/01/2102	चंद्र	08/02/2113	मंगल	03/04/2128	राहु	09/01/2136	गुरु	01/07/2145
चंद्र	13/08/2102	मंगल	10/04/2114	राहु	26/02/2129	गुरु	10/05/2137	शनि	08/02/2146
मंगल	09/01/2103	राहु	10/04/2117	गुरु	15/12/2129	शनि	09/12/2138		00/00/0000
राहु	27/01/2104	गुरु	10/12/2119	शनि	27/11/2130	बुध	10/05/2140		00/00/0000
गुरु	02/01/2105	शनि	08/02/2123	बुध	04/10/2131	केतु	09/12/2140		00/00/0000
शनि	11/02/2106	बुध	09/12/2125	केतु	09/02/2132	शुक्र	10/08/2142		00/00/0000
बुध	08/02/2107	केतु	08/02/2127	शुक्र	08/02/2133	सूर्य	08/02/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।